जाग उठा हमारा
आजाद हिन्दुस्तान
RNI No.-MPHIN/2001/14172
AZAD हिन्दुस्तान LIVE

श्री तिलोक राठोड़ ने लिया पूर्व मुख्यमंत्री दिग्गिराजा का आशीर्वाद

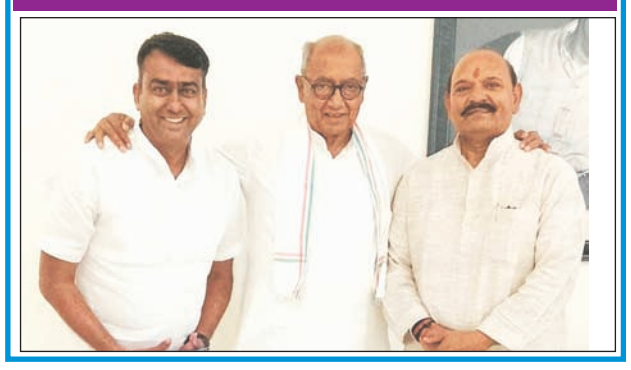

वर्ष-23 अंक-16-17 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 25 अप्रेल से 01 मई 2023 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

बड़वाह विधानसभा सीट -मीशन 2023

टिकिट के दावेदारों में नई मजबूत एंट्री के बाद भाजपा एवं कांग्रेस में राजनैतिक माहौल गरमाया

भाजपा में श्री राकेश गुप्ता एवं लाला बना तथा कांग्रेस में तिलोक राठोड़ तथा इन्दर बिरला की दावेदारी से राजनैतिक सरगर्मियां तेज

बड़वाह -प्रदेश में विधानसभा चुनाव में चंद महिनों का समय बचा है इसी के मद्देनजर भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान तथा कांग्रेस से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री कमल नाथ एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह द्वारा प्रदेश का सघन जमीनी दौरा कर अपने -अपने दलों की स्थिति मजबूत करने का दिनरात प्रयास किया जारहा है । इसी मीशन में खरगोन जिले की बड़वाह विधानसभा पर सबकी नजर है । इस सीट पर पिछले चुनाव में कांग्रेस के टिकिट पर कांग्रेस के युवा नेता रहे श्री सचिन बिरला ने 15 सालों से लगातार भाजपा के विधायक रहे श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी को अब तक की सबसे बडी शिकस्त देकर ऐतिहासिक जीत अर्जित की थी । लेकिन श्री कमलनाथ की कांग्रेस सरकार के पतन के बाद अब स्थितियां पूरी तरह परिवर्तित हो चुकी है । कांग्रेस के टिकिट पर विधायक बने श्री सचिन बिरला ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया और भाजपा में शामिल होते समय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने मंच से श्री सचिन बिरला को भावी भाजपा विधायक बताकर मीशन 2023 में भाजपा से चुनाव लडाने के स्पष्ट संकेत दे दिये थे । तब से भाजपा में लगभग यह तय माना जारहा है कि श्री सचिन बिरला का भाजपा से चुनाव लडना तय है और इसी के चलते वे पूरी ताकत एवं सक्रीयता से पूरे क्षेत्र में भ्रमण कर सरकारी योजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण के माध्यम से खुद एवं भाजपा की स्थिति मजबूत करने में लगे है ।

उपचुनाव टलने के साथ ही भाजपा में उभरने लगी नई मजबूत दावेदारियां

जब सचिन बिरला भाजपा में शामिल हुये तो उपचुनाव की संभावनाओं के चलते भाजपा में श्री सचिन बिरला के समक्ष टिकिट की दोड़ में कोई नाम सामने नही था । क्यो कि मुख्यमंत्री जी के मंच से किये वादे के बाद पूरा संगठन श्री सचिन बिरला को भाजपा के टिकिट पर चुनाव लडाने के लिये तत्पर था । लेकिन तकनिकी कारणों से उपचुनाव नही हो पाये और अब आम चुनाव सामने आ चुके है ऐसे में अब भाजपा में भी नये चहरों के मन में विधायक बनने के सपनों की उठान को पंख लगते नजर आने लगे है । कोई जनता के बीच अपनी सक्रीयता के माध्यम से अपनी मोजूदगी दर्शाकर मीशन 2023 की दौड़ का सकेत दे रहे है तो कोई जन्म दिन के आयोजन पर आम जनता के बीच उनका आशीर्वाद लेकर अप्रत्यक्ष रूप से टिकिट की दोड़ में समर्थकों के माध्यम से किये गये शक्ति प्रदर्शन से अपनी दावेदारी को सामने रखते नजर आरहे है ।

बड़वाह सीट के टिकिट निर्धारण के पीछे काम करता है है मजबूत जातिगत समीकरण...

खंडवा लोकसभा की दो पडोसी विधानसभा सीटे बडवाह एवं मांधाता के लिये टिकिट निर्धारण के पीछे दोनों ही दल अब तक पुख्ता जातिगत समीकरण को ध्यान में रखकर टिकिट देते आये है । बड़वाह एवं मांधाता दोनो ही विधानसभा सीटों पर गुर्जर एवं राजपूत समाज का बाहूल्य है । दोनो ही सीटों पर गुर्जर समाज निर्णायक स्थिति में रहता आया है । ऐसे में दोनों ही दलों की यह सौच रहती है कि यदि बड़वाह सीट पर गुर्जर समाज को प्राथमिकता दी जाये तो मांधाता में राजपूत या गैर गुर्जर समाज को । जिससे मुकाबला बराबरी का हो सके और जीत हांसिल की जा सके ।

पिछले दशकों में कांग्रेस ने गुर्जर समाज तो भाजपा ने राजपूत समाज को दी टिकिट में प्राथमिकता

इन्ही समीकरणों के चलते कांग्रेस ने बड़वाह सीट पर पिछले कुछ दशकों में गुर्जर समाज को टिकिट में हमेशा प्राथमिकता दी जिसमें कांग्रेस को कभी सफलता तो कभी विफलता भी हाथ लगी । इन्ही समीकरणों के आधार पर कांग्रेस के टिकिट पर श्री ताराचंद पटेल एवं जगदीश मोराणिया विधायक बने लेकिन उसके बाद भाजपा ने कांग्रेस की गुर्जर आधारित रणनीति के सामने काट खोजकर राजपूत समाज को प्राथमिता देकर राजपूत एवं सामान्य वर्ग को जोडने की रणनीति बनाना प्रारंभ किया और जिसका नतीजा सीधे भाजपा के खाते में गया । पिछला चुनाव छोड दिया जाये तो उसके पहले के 15 सालों में कांग्रेस की गुर्जर समाज पर आधारित रणनीति को मात देकर श्री हितेन्द्र सोलंकी को टिकिट दिया तथा 15 सालों तक वे सतत विधायक रहे । पिछले चुनाव में कांग्रेस के टिकिट पर सचिन बिरला की जीत में उनकी जमीनी मेहनत के साथ ही सभी समाजों , युवाओं एवं आम लोगों के साथ सीधे जुडाव का योगदान रहा ।

अब भाजपा के सामने चुनौती- जातिगत समीकरण होगा आधार या टिकिट का बनेगा कोई नया पैमाना

बड़वाह विधानसभा सीट पर भाजपा के सामने टिकिट को लेकर अब बडी चुनौतियां सामने आने वाली है । एक ओर कांगेस के टिकिट पर चुनाव लड़कर भाजपा को अब तक करारी मात देने वाले विधायक सचिन बिरला के भाजपा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मंच से भावी विधायक बताकर उनका टिकिट तय करने वाला वादा है वहीं अब आम चुनाव आने से भाजपा में टिकिट के लिये मजबूती से अपनी आवाज बुलंद करने वाले संगठन से जुडे नये नेता है

हालाकि अभी भी ज्यादातर लोग यही मानकर चल रहे है कि 2023 के चुनाव में श्री सचिन बिरला ही भाजपा का चेहरा होगें और यही कारण है कि वे अपना टिकिट तय मानकर पूरे विधानसभा क्षेत्र में पूरी सक्रीयता के साथ शासन की योजनाओं एवं विकास कार्यो के शिलान्यास तथा लोकार्पण कर अपनी स्थिति मजबूत करने में लगे है ।

लेकिन भाजपा संगठन से जुडे एवं टिकिट की दावेदारी कर रहे अन्य दावेदारों के समर्थकों में ऐसा मानने वालों की कमी भी नही है कि भाजपा काडरबेस पार्टी है यहां कुछ भी पहले से तय नही होता। भाजपा में टिकिट किसी की पंसद नापंसद से नही मिलता यहां पर टिकिट का निर्धारण पार्टी के सर्वे, संगठन एवं जनता में संभावित प्रत्याशी की लोकप्रियता के आधार ही टिकिट मिलता है । वे राज्यसभा सासंद श्री सुमेर सिंह एवं लोकसभा चुनाव में सासंद ज्ञानेश्वर पाटिल का उदाहरण देते हुये कहते है कि किसी ने सोचा भी नही था कि ये दोनों चुनाव में भाजपा का चहेरा बनेगें जबकि चुनाव के पूर्व अनेक दूसरे नेताओं के नाम मजबूती से आगे चल रहे थे ।

सचिन बिरला के साथ ही अब राकेश गुप्ता एवं श्री लाला बना को भी माना जारहा है भाजपा में टिकिट का मजबूत दावेदार ..

भाजपा के अन्दरूनी सूत्रों में चर्चा है कि बड़वाह एवं मांधाता विधानसभा सीट पर टिकिट का निर्धारण इन दोनों सीटों पर पार्टी की रणनीति पर तय करेगा । गुर्जर बाहूल्य एवं राजपूत बाहुल्य सीटे होने से यह संभावना है कि पार्टी एक सीट पर गुर्जर तो दूसरी सीट पर सामान्य या राजपूत समाज के उम्मीदवार को मेदान में उतारे । दोनों सीटों पर एक ही वर्ग के उम्मीदवार को उतारना किसी भी दल के लिये राजनैतिक रूप से नुकसान दायक हो सकता है । ऐसे में बड़वाह विधानसभा पर भी श्री सचिन बिरला के साथ ही अब राजपूत समाज से श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी एवं लाला बना तथा सामान्य वर्ग नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता का नाम राजनैतिक चर्चाओं के केन्द्र में आचुके है ।

श्री लाला बना के जन्म दिन पर समर्थकों ने विराट आयोजन कर दिखाई मीशन 2023 की तैयारियों की मजबूत झलक...

पिछले दिनों बड़वाह भाजपा नगरमंडल अध्यक्ष श्री लाला बना का जन्म दिन पूरे क्षेत्र में उत्साह, उमंग एवं भारी तामझाम के साथ मनाया गया । जन्म दिन के एक सप्ताह पहले से ही पूरे शहर में लाला बना के आदम कद पोस्टर एवं प्लेक्स लगा दिये गये थे । पहली बार किसी राजनैतिक व्यक्ति के जन्म दिन पर इतने फ्लेक्स नगर में नजर आरहे थे । कहत है कि लिफाफा देखकर ही लेटर का मजमून समझलिया जाता है तो तैयारियों से ही लगने लगा था कि इस जन्म दिन के बहाने उनके समर्थकों द्वारा लाला बना को मीशन 2023 में मजबूत दावेदार के रूप में लांच किया जाने वाला है ।

हुआ भी ऐसा ही लाला बना को बधाईयां देने के लिये भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं , समर्थकों का हुजुम उमडने लगा । पूरे दिन स विभिन्न समाजों , सामाजिक संगठनों एवं मित्रगणों द्वारा सार्वजनिक मंच लगाकार लाला बना कोफूल मालाओं से स्वागत कर केक कटवाये गये । शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक अनेक स्थानों पर लाला बना के जन्मदिन पर आयोजन किये गये । मुख्य सडकों पर बडी बडी स्क्रीन लगाकर लाला बना द्वारा किये गये समाज सेवा के कार्यो एवं क्षेत्र में उनके धार्मिक , सामाजिक एवं राजनैतिक योगदान की झलकियां प्रदर्शित की गई । नगरपालिका में भी नपा अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता की मोजूदगी मेंलाला बना का जनम दिन मनाकर बधाईयां दी गई । कुल मिलाकर जन्म दिन के बहाने लाला बना एवं उनके समर्थकों ने यह दर्शा दिया कि इस बार वे टिकिट की दोड़ में किसी से पीछे नही है । जहां तक लाला बना की बात है तो उनका कहना है कि मै तो भाजपा का एक समर्पित सिपाही हूं । नगरवासियों एवं कार्यकर्ताओं ने जनम दिन पर मुझे जो प्यार दिया उससे अभिभूत हूं । जहां तक चुनाव में टिकिट की बात है भाजपा में टिकिट का निर्णय बडी सौच समझ के बाद होता है । भाजपा में टिकिट का निर्णारण एक तय संगठनात्मक प्रक्रिया के बाद होता है । क्षेत्रवासी चाहते है कि इस बार मुझे अवसर मिले , पार्टी यदि मुझे टिकिट देती है तो पूरी ताकत के साथ चुनाव लडूंगा और शानदार जीत के साथ यह सीट भाजपा की झोली में होगी लेकिन संगठन में जिम्मेदार होने के साथ ही यह भी तय है कि पार्टी जिसे भी टिकिट देगी उसे जिताने के लिये हम पूरी ताकत भी लगायेगें ।

आम जनता के बीच बढ़ती लोकप्रियता एवं जनाधार से श्री राकेश गुप्ता की दावेदारी किसी से कम नही ....

2023 के विधानसभा चुनावमें भाजपा के टिकिट की प्रमुख दावेदारी में एक नाम सर्वाधिक चर्चा में है वो है बड़वाह नगरपालिका के अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता का नाम । बड़वाह नगर पालिका के अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता आज क्षेत्र में किसी परिचय के मोहताज नही है । सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र के लोग उन्हे उनके मिलनसार व्यवहार एवं कर्मठ कार्यशैली से पहचानते है । नगरपालिका अध्यक्ष बनने के पूर्व भी श्री राकेश गुप्ता जहां समाज सेवा, धार्मिक आयोजनों एवं भाजपा की राजनीति में अपना मजबूत और प्रतिष्ठित मुकाम रखते आये है वहीं उन्होने खरगोन जिले में भाजपा के संगठन को मजबूत करने के लिये लगातार प्रयास किये है । पार्टी के वरिष्ठों से लेकर युवा कार्यकर्ताओं तक में उनकी अच्छी खासी लोकप्रियता है ।

नगरपालिका अध्यक्ष बनने के बाद उनकी मिलनसार तथा सशक्त कार्यप्रणाली के चलते आम नागरिकों के साथ उनका जिस तेजी से सीधा जुडाव हुआ है वो आज के समय में दुर्लभ है । नगर पालिका प्रशासन को चुरस्त दुरूस्त करने के साथ ही चाहे नगर विकास के मुद्दे हो या बरसों से अटके पडे नामांतरणों एवं जनसमस्याओं के मुद्दे उन्होने बडी तत्परता के साथ हल कर जनता के दिलों में अमिट स्थान बनाया है । बडवाह शहर के विकास के लिये वे बस स्टेंड के नवनिर्माण, नगरपालिका कार्यालय, इन्दिरा मार्केट एवं सुभाष मार्केट के कायाकल्प , शहर के बगीचों का सौन्दर्यीकरण, शहर की मुख्य सडकों , सब्जीमंडी आदि के निर्माण आदि की योजनाओं को वे धरातल पर उतारने मे जिस तरह तत्परता दिखा रहे है उससे क्षेत्र की जनता एवं संगठन के उच्च स्तरों पर उनकी शानदार प्रशासनिक क्षमता एवं आम लोगों में शासन की योजनाओं को पहूंचाने की उनकी लाजवाब कार्यशैली की प्रशंसनीय चर्चा का विषय बनी हुई है ।

ऐसे में श्री राकेश गुप्ता मीशन 2023 में भाजपा के प्रमुख दावेदार माने जारहे है । यदि श्री राकेश गुप्ता को भाजपा का टिकिट मिलता है तो उन्हे संगठन , पार्टी एवं आम जनता के साथ ही समस्त जाति, समाज एवं संगठनों का साथ मिलेगा । उनके सिर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री कैलाश विजयवर्गीय का हाथ एवं आशीर्वाद होना उनके लिये बोनस है ही । श्री राकेश गुप्ता का कहना है हम पार्टी संगठन के आदेशों के साथ बंधे है पार्टी यदि आदेश देती है तो हर आदेश मानने के लिये हम कृत संकल्प है तो दूसरी ओर पार्टी का जो भी निर्णय होगा उसका अक्षरश पालन करना हमारा दायित्व है ।

अब देखना यह है कि भाजपा इस बार कांग्रेस की राह पर चलकर गुर्जर समाज को टिकिट में प्राथामकता के साथ श्री सचिन बिरला को मौका देती है या फिर श्री राकेश गुप्ता या लाला बना के रूप मे नये चेहरे को मैदान में उतारती है या फिर श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी पर पुनः दाव लगाती है ।

तिलोक राठोड के बाद इंदर बिरला द्वारा टिकिट की मजबूत दावेदारी से कांग्रेस में दावेदारो के बीच तगडी प्रतिष्पर्धा

भाजपा की तरह ही कांग्रेस में भी योजनाबद्ध तरीके से मीशन 2023 की तैयारियां की जारही है । एक ओर पार्टी द्वारा पूरे क्षेत्र में विभिन्न ऐजंसियों के माध्यम से निश्चित जीत सकने वाले उम्मीदवारों के बारे में सर्वे कर खोज की जारही है वहीं वही लगभग आधा दर्जन टिकिट के दावेदार कभी क्षेत्र में जनता के बीच तो कभी उच्चा स्तर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के पास अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहे है ।

कांग्रेस में संगठन स्तर पर देखा जाये तो आज से 6 माह पहले 3 नाम प्रमुख रूप से चर्चा में थे । उनमें कांग्रेस प्रदेश महामंत्री श्री नरेन्द्र पटेल, समाज सेवी , उद्योगपति एवं क्षेत्र में लोकप्रिय श्री नीलेश रोकड़िया तथा पूर्व प्रदेश सचिव रहे सेवाभावी श्री अशोक जैन बागोद का नाम शामिल है । लेकिन समय के साथ ही इन दावेदारों जातिगत रणनीति के तहत सोहनशाह एवं सोभाग पटेल का नाम भी चर्चा में आने लगा ।

श्री नरेन्द्र पटेल पूर्व सासंद श्री ताराचंद पटेल के भतीजे होने के साथ ही बरसों से कांग्रेस को जमीनी रूप से मजबूत करने में लगे है ऐसे में इस बार उनकी दावेदारी को सबसे मजबूत माना जाता रहा है ।

वहीं दूसरी ओर बड़वाह ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष, समाज सेवी , एवं युवाओं में बेहद लोकप्रिय श्री नीलेश रोकडिया को उनकी पारिवारिक, सामाजिक ,धार्मिक एवं स्वच्छ राजनैतिक छवि के आम लोगों में पसदींदा उम्मीदवार माना जारहा है ।

श्री अशोक जैन की छवि सभी वरिष्ठ नेताओं में विश्वसनीयता एवं स्वीकार्यता की रही है। अपनी समाज सेवा एवं अपने मजबूत पारिवारिक एवं राजनैतिक पृष्टभूमि के चलते क्षेत्र वासी उन्हे मजबूत प्रत्याशी मानते आये है । श्री सोहनशाह एवं सोभाग पटेल भी अपने अपने कार्यो एवं लोगों से जुडाव के चलते इस दोड़ में कायम है ।

भारत जोडों यात्रा तक यह माना जाने लगा था कि प्रमुख रूप में कांग्रेस में टिकिट की दोड़ श्री नरेन्द्र पटेल एवं श्री नीलेश रोकडिया के बीच होगी । कांग्रेस की अन्दरूनी गुटिय राजनीति के चलते दावेदारों की मेरिट में उतार चढाव आते रहे । लेकिन इसी बीच कांग्रेस में दो नये दावेदारों की मजबूत ऐंट्री ने कांग्रेस में टिकिट की दावेदारी की प्रतिष्पर्धा को और रोचक बना दिया ।

तिलोक राठोड़ का अप्रत्याशित कमाल- 6 माह में घर घर में बना लोकप्रिय चेहरा...

कहते है राजनीति को असंभव का संभव कर दिखाने का खेल माना जाता है । उपरोक्त दावेदारों के बीच बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की राजनीति में दो युवा नेताओं के नाम इस तेजी से उभरे कि उन्होने कांग्रेस में टिकिट की चलरही प्रतिष्पर्धा के समीकरणों को ही बदलकर रख दिया ।

उनमें सबसे पहला नाम है बड़वाह से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित अस्तरियां ग्राम में जन्म लेकर बड़वाह में अपनी शिक्षा अर्जित करने वाले कांग्रेस के युवा नेता तिलोक राठोड़ का । मात्र 6 महिने में ही श्री तिलोक राठोड़ ने अपना नाम और काम पूरे विधानसभा क्षेत्र में अपनी सुनियोजित कार्यप्रणाली एवं चतुर चाणक्य रणनीति से घर-घर पहूंचा दिया कि बरसों से कांग्रेस की राजनीति कर रहे लोग भी आज हैरान है ।

श्री तिलोक राठोड़ ने पिछले 6 माह में विधानसभा क्षेत्र के गांव - गांव में जहां क्रिकेट टूर्नामेंटों का आयोजन कर सेकडों नये युवाओं को कांग्रेस से जोडा वहीं हर सामाजिक , धार्मिक आयोजनों में दिल खोलकर सहयोग भावना के साथ लोगों के दिलों में अपना अमिट स्थान बना लिया । शहरी क्षेत्र में जहां उन्होने अपनी समाजिक, धार्मिक गतिविधियों से लोगों को कांग्रेस से जोडा वही आदिवासी, मुस्लिम, एस सी,एसटी के हजारों लोगों को वापस अपनी सक्रीयता के साथ जोडकर एक मजबूत जनाधार तैयार किया है ।

वरिष्ट नेताओं में उन्होने श्री कमलनाथ, श्री दिग्विजय सिंह , श्री अरूण यादव आदि वरिष्ठ नेताओं से सतत सम्पर्क कर विश्वास दिलाया कि उनका मुख्य लक्ष्य क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत बनाना है । अपनी मजबूत दावेदारी की बात करते हुये वे यह भी कहते है कि मेरा विश्वास है कि पार्टी यदि मुझे टिकिट देती है तो कांग्रेस की जीत सुनिश्चित है और यदि संगठन अन्य किसी को अवसर देता है तो भी मै पार्टी का आदेश मानते हुये उसका तन मन धन से पूरा साथ दूंगा ।

श्री तिलोक राठोड़ ने इतने कम समय में जितनी लोकप्रियता हांसिल की है उसमें उनकी मेहनत , लगन, एवं क्षेत्र की सेवा करने की भावना पूरी तरह झलकती है । लोग उन्हे पंसद कर रहे है अब आगे पार्टी संगठन का क्या फैसला रहता है यह तो आने वाला समय बतायेगा । लेकिन इसमे कोई दोराय नही कि तिलोक राठोड की सक्रीयता के बाद क्षेत्र में कांग्रेस मजबूत हुई है और कांग्रेस ही नही भाजपा में भी उनकी सक्रीयता चर्चा हो रही है ।

सनावद नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि इन्दर बिरला भी उतरे विधानसभा टिकिट की दोड़ में

बड़वाह जनपद पंचायत एवं सनावद के निकट बमनगांव में जन्म लेने वाला जमीन से जुडा एक युवा देखते ही देखते पहले अपने गांव का सरपंच फिर बड़वाह सरपंच संघ का अध्यक्ष और अब क्षेत्र की सबसे बडी नगरपालिका सनावद के प्रथम नागरिक बन गया और आज वो पूरे सनावद शहर के विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने का सकारात्मक प्रयास कर रहा है ।

जी हां हम बात कर रहे है सनावद नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि, किसान नेता एवं कांग्रेस के जुझारू युवा श्री इन्दरबिरला की । जिन्हे आज उनके समर्थक आगामी 2023 में अब बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में देखना चाहते है ।

आज के हवाई नेताओं की तरह नही बल्कि किसानों के सुख दुःख के लिये पूरी निड़रता के साथ आवाज उठाने वाले इन्दर बिरला की पहचान पूरे बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में प्रखर एवं उर्जावान किसान नेता के रूप में होती है जो किसानों पर अन्याय होने एवं शोषण होने पर आधी रात को भी सारे काम छोडकर उनके साथ जा खडे होते है।

एक ईमानदार, कर्मठ एवं जमीन से जुडे नेता के रूप में उनकी ख्याति ही उन्हे सनावद शहर के नगरपालिका की सर्वोच्च सत्ता तक ले गई । और आज भी वे जिस योजनाबद्ध तरीके से शहर के विकास योजनाओं को लागू करने एवं जनसमस्याओं को हल करने में लगे है उससे उनकी लोक प्रियता अब दिनो दिन बढती जारही है ।

ऐसे में अब उन्हे अब बड़वाह विधानसभा क्षेत्र मे 2023 के एक लोकप्रिय एवं मजबूत चेहरे के रूप में चाहने लगे है । श्री इन्दर बिरला खुद भी कहते है कि प्रजातंत्र में जनता की अदालत से बडा कोई नही होता । यदि जनता चाहेगी एवं पार्टी ने अवसर दिया तो मै किसी भी जिम्मेदारी से पीछे हटने वाला नही हूं और अन्यथा जिसे भी पार्टी अवसर देगी उनका साथ पूरी तन्मयता एवं समर्पण के साथ दूंगा ।

उनका कहना है कि यह अच्छी बात है कि कांग्रेस में अब अनेक नये युवा चहरे सामने आये है । और अच्छा काम करते हुये यदि वे पार्टी को सफलता दिलवाते है तो उन्हे आगे आने का अवसर मिलना ही चाहिये । 29 अप्रेल को इन्दर बिरला का जन्म दिन है और उनके समर्थक इस जन्म दिन को यादगार बनाना चाहते है ।

अब देखना होगा कि व्यापक रूप से मनाया जाने वाला ये जनम दिन उन्हे अपने नये लक्ष्य की दोड़ में कितने उंचे स्थान तक लेकर जाता है ।